

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 22, मीका

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह मीका की पुस्तक पर सत्र 22 है।

ठीक है, मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए प्रार्थना करें। पिता, हम एक और कक्षा शुरू करने के लिए रुकते हैं क्योंकि आपकी सहायता के बिना हम अगले 60 मिनट नहीं बिता पाएंगे। हम प्रार्थना करते हैं कि आपके वचन को सुनने के लिए हमारे पास कान हों।

प्रोफेसर के शब्द उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं। पैगम्बरों के शब्द महत्वपूर्ण हैं। वे शाश्वत हैं।

वे सभी पीढ़ियों में गूँजते हैं। इसलिए, हमें नबी मीका के माध्यम से प्रभु की आवाज़ सुनने में मदद करें। हमारे जीवन में इस बारे में निश्चितता पैदा करें कि हम कौन हैं, हम दुनिया में कैसे काम करते हैं, और हम आपके लोगों से क्या चाहते हैं। इस समय हमारा मार्गदर्शन करें और हमें निर्देशित करें, मैं हमारे प्रभु मसीह के माध्यम से प्रार्थना करता हूँ। आमीन।

ठीक है, अगले सप्ताह के बुधवार को फसह के बारे में फिर से एक अनुस्मारक।

हम 4:45 बजे लेन से निकलेंगे। क्या आपमें से किसी के पास कार है और आप ड्राइव करने के लिए तैयार हैं या आपका कोई दोस्त है? कोई है जो जा रहा है? मुझे एक या दो और कारों की ज़रूरत है। मेरे पास कुछ और छात्र हैं जिनसे मैं पूछ सकता हूँ।

माफ़ करें? केविन के साथ? ठीक है, केविन, ठीक है। आपने बताया कि वह गाड़ी चला रहा है। यह अच्छी बात है।

ठीक है। ठीक है, क्रिस्टन, ठीक है। यह बहुत बढ़िया है।

मैं इसकी पुष्टि करना चाहता था। आप कहते हैं कि अगर आपको ऐसा करना पड़े तो आप सात लोगों को भी ले सकते हैं। ठीक है, बढ़िया। बढ़िया।

ठीक है, चलिए मीका की बात करते हैं। मीका और इसायाह समकालीन थे।

शुरुआती आयतों से यह मानने का कारण है कि योताम, आहाज और हिजकिय्याह उत्तर या दक्षिण के राजा थे। दक्षिणी राज्य। मैं आपके लिए इसका उत्तर दूंगा।

यह एक डिफ़ॉल्ट प्रश्न है क्योंकि हम पहले ही मुख्य रूप से उत्तर के भविष्यवक्ताओं से निपट चुके हैं, लेकिन मीका में यह अजीब बात है कि वह वास्तव में उत्तरी राज्य के पतन के बारे में भविष्यवाणियाँ शामिल करता है, हालाँकि वह दक्षिणी राज्य से था। इसके बारे में थोड़ी देर में और

बात करेंगे। वह सामरिया के पतन के बारे में बात करता है, और वह यरूशलेम के पतन के बारे में भी बात करता है।

लेकिन वह और यशायाह दक्षिणी राज्य में रहने वाले समकालीन थे। उनकी भाषा काफी हद तक समान है। उनमें कुछ साहित्यिक समानताएँ हैं, और निश्चित रूप से, मुझे उम्मीद है कि इस कोर्स के अंत में, यदि आप कभी यशायाह 2 पढ़ते हैं, तो आप तुरंत अपने दिमाग में मीका 4 के बारे में सोचेंगे, क्योंकि आप जानते हैं कि उन महान अंशों पर किसी प्रकार की साहित्यिक निर्भरता है जो मसीहाई युग और इस धरती पर शांति और न्याय लाने की बात करते हैं।

मीका का नाम एक सवाल है। पवित्र शास्त्र के कई लेखक बच्चे का नाम रखने में आस्था की स्वीकारोक्ति करते हैं, कम से कम माता-पिता ने तो शायद ऐसा ही किया होगा। मीका, भगवान जैसा कौन है? मीका, योद-हेह-वव-हेह जैसा कौन है? भगवान जैसा कौन है? यहोवा जैसा कौन है? और पुस्तक के अंत में उसके नाम पर एक अजीब तरह का खेल हो सकता है।

7:18 में लिखा है, मी-एह-ल-चाह - मो-चाह । हे परमेश्वर, आपके जैसा कौन है? पुस्तक के अंत में। मी-एह-ल-चाह - मो-चाह ।

आपके जैसा कौन है? मुझे लगता है कि यह मीका के अपने नाम पर एक नाटक है। यह मीका के करीब है। मीका के नाम का मतलब है, यहोवा जैसा कौन है? 7:18 का शाब्दिक अर्थ है, आपके जैसा ईश्वर कौन है? तो शायद माता-पिता की ओर से एक तरह की आस्था की स्वीकारोक्ति।

और अगर आप यशायाह से परिचित हैं, खास तौर पर यशायाह के दूसरे भाग से, जो इस्राएल के परमेश्वर की अतुलनीयता है। आपके जैसा कौन है? बहुत ही शानदार भाषा में। मीका का गृहनगर इस नक्शे पर है, तेल-मारेशा।

जैसा कि आप देख सकते हैं, तेल-मारेशा यहूदा में है। यह शेफेलाह में है, राजधानी शेफेलाह। शेफेलाह का मतलब है पहाड़ी इलाका, लुढ़कती पहाड़ियाँ, तलहटी जो तटीय मैदान से लेकर ऊँची यहूदिया की पहाड़ियों तक जाती है।

अगर आपने कभी आयोवा को पूर्व और पश्चिम की ओर जाने वाले अंतरराज्यीय राजमार्ग पर पार किया है, तो आपको इस तरह की बहुत सी पहाड़ियाँ दिखाई देंगी। यह मुझे थोड़ा शेफेला की याद दिलाता है, जब आप फिलिस्तिya के मैदान से आते हैं। और यहूदा में ऐसे कई शहर हैं, मारेशा उनमें से एक है।

मुझे लगता है कि मीका ने जब भविष्यवाणी की होगी तो वह उत्तरी राज्य के अंतिम वर्षों में रहा होगा। उसने शायद 735 के आसपास भविष्यवाणी करना शुरू किया होगा और कम से कम 715 तक जारी रखा होगा, जो उसे हिजकियाह के मंत्रालय की शुरुआत में ले गया होगा। हम निश्चित रूप से जानते हैं कि यशायाह की तिथियाँ 740 से 680 हैं।

हम इस कोर्स के अंत में इस पर वापस आएंगे क्योंकि हम अपना ध्यान यशायाह पर केंद्रित करेंगे। तेल मारेशा के इस दिलचस्प छोटे से शहर के बारे में थोड़ा और। मैंने पहले भी इसका

उल्लेख किया है, लेकिन आज मैं मीका का अवलोकन करना चाहता हूँ और कुछ खास दिलचस्प बातों पर जोर देना चाहता हूँ।

यह एक, पुरातात्विक रूप से। पुस्तक हमें बताती है कि वह मारेशा से है। इसके कई अलग-अलग नाम हैं।

1:1 में, मारेशेत का मीका। यह यरूशलेम से 25 मील दक्षिण-पश्चिम में है। बाइबल में इनमें से कई नाम थोड़े बदल गए हैं।

यहूदी लोग मसादा को मेत्सुडा कहते हैं, जिसका मतलब है किला। लेकिन जब इसका ग्रीककरण हो जाता है, तो यह मसादा बन जाता है - वही शब्द।

योना का नाम जोनास हो जाता है। और अक्सर S का अंत यही होता है। इस विशेष मामले में, जब एदोमियन इस विशेष क्षेत्र में बस गए।

और यह क्षेत्र, निश्चित रूप से, चौथी शताब्दी, चौथी शताब्दी के अंत और तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में, मिस्र से बाहर टॉलेमी द्वारा नियंत्रित था। और वे ग्रीक संस्कृति को आगे बढ़ा रहे थे। नाम तेल मारेशा के रूप में समाप्त होता है।

तो, यह वही जगह है। इसके कई अलग-अलग नाम हैं। मारेशा, मारेशेत -गत।

इसका उल्लेख 1:14 में फिर से किया गया है। मारेशेत हाइफ़न गत। आपको याद होगा कि शमूएल 17 की पहली कथा में जो दानव है वह गत से है।

और यह फ़िलिस्तीन क्षेत्र के किनारे पर है। तो, यह शेफेला में है। जाहिर है कि मूल रूप से फ़िलिस्तीनियों द्वारा नियंत्रित किया जाता था।

और मीका का यह शहर, हम अब कई शताब्दियों को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं क्योंकि मीका 8वीं शताब्दी के अंत में यहाँ रहता था। लेकिन अगर आप आज उसके गृहनगर में जाएँ, तो आपको कुछ पुरातात्विक खोज देखने को मिलेंगी, खास तौर पर इसलिए क्योंकि एडोमियन वहाँ आकर बस गए थे।

याद रखें, इडुमिया ग्रीक में एदोम के लिए है। आइए ओविडिया के अपने अध्ययन पर वापस लौटें। याद है जब नबतियन आए और सेला गिर गया? एदोमियों को घाटी के पूर्वी हिस्से से यहूदा के गोत्र के दक्षिणी हिस्से में धकेल दिया गया था।

और वह पूरा क्षेत्र इडुमिया के नाम से जाना जाने लगा। दूसरी शताब्दी में जॉन हिरकेनस एक राजा था जिसने मैकाबीज़ के आंदोलन का समर्थन किया, जो एक हसमोनियन राजा था; लगभग 140 में, उसने शेफेला के एडोमियों को यहूदी धर्म में परिवर्तित करने का प्रयास किया। मैं यहाँ यह बताना चाहता हूँ कि तेल मारिसा तीसरी और दूसरी शताब्दी में इडुमिया की राजधानी थी।

यह मीका के लगभग 5 शताब्दियों बाद की बात है। यह एदोमियों की राजधानी बन गया। और जैसा कि मैंने पहले देखा, हेरोदेस के परिवार को हिरकेनस के अधीन यहूदी धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया था।

इस जगह के बारे में कुछ और रोचक बातें हैं। मीका के गृहनगर में कुछ जिद्दी लोग थे जो धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहते थे। शेफेलाह में रहने वाले ये एदोमी लोग, जिनमें मारिसा भी शामिल थी, धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहते थे।

और मारिसा में, इन एदोमियों ने इन गुफाओं में से हज़ारों को डुबो दिया था। यहाँ शेफेला में पहाड़ियाँ गुफाओं से भरी हुई हैं। और आप में से जो लोग आनंदित हैं, मैंने लगभग कहा कि यह दायित्व है क्योंकि मुझे लगता है कि बाइबल को समझने के लिए, इज़राइल जाना और इस इतिहास को दृश्य रूप में देखने देना बहुत महत्वपूर्ण है।

आप इसे छू सकते हैं, आप इसे देख सकते हैं, आप वहाँ चल सकते हैं। इसलिए मीका के शहर में एदोमियों ने ऐसी हज़ारों गुफाएँ खोदी थीं। और इससे पहले कि एदोमियों ने हिरकनस से भागकर, टीले के ऊपर अपने घरों से अपनी संपत्ति से गुफा को भर दिया।

यह एक मजेदार पुरातात्विक खुदाई है जिस पर मैंने कई साल पहले कुछ समय बिताया था। और इन गुफाओं में खुदाई। दूसरे शब्दों में, एदोमियन नहीं चाहते थे कि हिरकनस आकर उनके घरों पर कब्ज़ा कर ले।

उन्होंने मूल रूप से उनके घरों को नष्ट कर दिया, उनकी संपत्ति, मिट्टी के बर्तन और अन्य चीजें ले लीं, और उन्होंने बस इन गुफाओं को भर दिया। इसलिए तेल मेरिसा में ऐसी सैकड़ों गुफाएँ हैं जिनकी खुदाई अभी बाकी है। इनमें से कई गुफाओं में जिनकी खुदाई की गई है, पाया गया कि यहाँ एक बड़ा जैतून का तेल उद्योग था।

जैतून को कुचलने वाली बहुत सी मशीनें और प्रेसर मशीनें पाई गईं। इस क्लास में हमने उस समय की आर्थिक और कृषि दुनिया के बारे में थोड़ी बात की। खैर, तेल मेरिसा रूट 95 के काफी करीब था।

आप सीधे रूट 95 पर उतरकर इस जैतून के तेल को मिस्र भेज सकते हैं। और यही वह जगह है जहाँ इस तेल का बहुत सारा हिस्सा जाता है, क्योंकि मिस्र में जैतून के बहुत ज़्यादा पेड़ नहीं हैं। आप जानते हैं, डेल्टा क्षेत्र में मिट्टी बहुत उपजाऊ है, लेकिन इसमें उस तरह की चट्टानी और बहुत ज़्यादा बारिश वाली जलवायु नहीं है जो जूडिया की पहाड़ियों में है।

गुफाओं में दूसरी दिलचस्प चीज़ है कोलम्बेरियम। तेल मेरिसा की गुफाओं में हज़ारों ऐसे कबूतरखाने पाए गए। मैं उन्हें कबूतरखाने इसलिए कहता हूँ क्योंकि, असल में, कोई नहीं जानता कि वे किस लिए हैं।

सबसे पहले, विद्वानों, आप जानते हैं, पुरातत्व में, आपके पास खोज होती है, फिर आपके पास विवरण होता है, फिर आप जो पाते हैं उसका विश्लेषण करने का प्रयास करते हैं, और फिर

आपका अंतिम चरण आपके द्वारा वर्णित और विश्लेषित किए गए साक्ष्य की व्याख्या करना होता है। खैर, कई विद्वानों ने सोचा, चूँकि उन्होंने संभवतः मंदिर में बहुत सारे कबूतर और कबूतरों का इस्तेमाल किया था, और चूँकि यह यरूशलेम तक डेढ़ दिन की चढ़ाई थी, इसलिए यह कबूतर या कबूतर बेचने का क्षेत्र हो सकता है। आप जानते हैं, यीशु के जन्म के बाद यीशु की माँ इस व्यवसाय में शामिल हो गई थी।

उसे यरूशलेम में उपस्थित होना था, और यह एक बलिदान था। क्योंकि लेवितिकल कानून में कहा गया था कि यदि आप एक गरीब परिवार हैं, तो आप अपने पिङ्गोन हाबेन समारोह के लिए पक्षियों की जगह ले सकते हैं। पिङ्गोन हाबेन का शाब्दिक अर्थ है बेटे का उद्धार, और यह एक ऐसा समारोह था जो जन्म के कई सप्ताह बाद किया जाता था, जब पहला बच्चा लड़का होता था।

इसके साथ समस्या यह है कि, भले ही ये छोटे-छोटे अच्छे आलों थे, लेकिन आप इन चाकनुमा चट्टानों से खोदी गई चीज़ों में से किसी एक पर एक पक्षी को बैठे हुए देख सकते हैं, इनमें से किसी भी जगह पर पक्षी का मल नहीं है। इसलिए पुरातत्वविदों के सामने यह एक समस्या है। ये वे जगहें हैं जहाँ पक्षी रहते हैं।

जब आप इसका रासायनिक विश्लेषण करने की कोशिश करते हैं तो इसका कोई सबूत नहीं मिलता। आपको लगता है कि पक्षियों ने गुफा में किसी तरह के अवशेष छोड़े होंगे। इसलिए भले ही यह कबूतर का कोट जैसा दिखता हो, एक ऐसी जगह जहाँ इन पक्षियों को रखा जाता था और बंदी बनाकर बेचा जाता था, फिर व्याख्या कहती है, ऐसा लगता है कि यह इसका एक आदर्श उदाहरण है, लेकिन आपको लगता है कि उस दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए वहाँ और भी पक्षी मल बचे होंगे।

अभी एक और सिद्धांत है जो उनके दिमाग में आया है। शायद इन छोटे छेदों का इस्तेमाल रंगाई या बुनाई के काम के लिए किया जाता था, जहाँ शायद बुनाई के लिए इस्तेमाल होने वाले कपड़े के धागों को रंगा जाता था और फिर दीवार में बने इन छोटे छेदों के बीच तक फैलाया जाता था जब तक कि कपड़ा सूख न जाए और इसी तरह की दूसरी बातें। इसलिए कोई भी वास्तव में नहीं जानता कि मीका की दुनिया की गुफाओं में ये सभी छोटे छेद क्यों हैं।

आज आपको यही मिलेगा। मीका की भविष्यवाणी के अवलोकन पर नज़र डालें, तो उस पर कुछ टिप्पणियाँ हैं। भविष्यवाणी तीन मुख्य बड़े भागों में विभाजित है।

और हर एक संदेश यहाँ शेमा शब्द से शुरू होता है। वह तीन संदेश देता है, हर एक की घोषणा इस हिब्रू शब्द तेहिर से की जाती है। और अध्याय एक और दो लोगों को निर्देशित उसका पहला संदेश है।

एक दो में, यह कहा गया है, तुम सब लोग सुनो। इसलिए, अध्याय एक और दो, लोगों को दिया गया पहला संदेश, मुख्य रूप से सामरिया और यहूदा दोनों पर न्याय का संदेश है। इस भविष्यवाणी में सामग्री का दूसरा बड़ा हिस्सा अध्याय तीन से पाँच है।

और तीसरा, पहला कहता है, हे इस्राएल के घराने के शासको, याकूब के प्रमुखों, सुनो। दूसरा संदेश नेताओं को संबोधित है। इसलिए, वह सामान्य रूप से समाज, लोगों के आलोचनात्मक विश्लेषण से आगे बढ़ता है, और अब नेताओं, उस दिन के शासकों के पास जाता है।

और जब वह झूठे भविष्यद्वक्ताओं सहित नेताओं को न्यायदंड देता है, तो वह उस पारंपरिक तरीके से आशा भी देता है जिस तरह यशायाह ने अपनी पूरी भविष्यवाणी को व्यवस्थित किया है। एक से उनतीस तक, मुख्य रूप से न्याय। चालीस से छियासठ तक, आशा, मुक्ति।

यहाँ तक कि एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी भी, जैसा कि यशायाह ने अपनी भविष्यवाणी के अंत में कहा है। और फिर अध्याय छह और सात, जो तीसरा संदेश है। यह बहुत अजीब है क्योंकि 6:1 में कहा गया है, हे पहाड़ों, सुनो, जिसने पहाड़ों को उपदेश दिया।

और यह तीसरा संदेश, अध्याय छह और सात, पहाड़ों को दिया गया है क्योंकि परमेश्वर का अपने लोगों के साथ विवाद है। और यहाँ पहाड़ प्रतीकात्मक रूप से न्यायालय के लिए खड़े हैं। यह न्यायालय और न्यायाधीशों के लिए खड़ा है जो यहोवा के लोगों के बारे में उसके मामले की सुनवाई करने जा रहे हैं।

और शायद जहाँ हम कहते हैं, पहाड़ियों जितना पुराना, जहाँ पहाड़ या पहाड़ियाँ स्थायी, शाश्वत, मानो परमेश्वर के न्याय के मानकों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जब वह अपने लोगों के खिलाफ अपना मामला प्रस्तुत करता है। तो फिर मैं इनमें से प्रत्येक मुख्य भाग में कई बिंदुओं की ओर इशारा करता हूँ। आप पहली आयत में देखते हैं कि वह सामरिया और यरूशलेम के बारे में अपना संदेश देता है।

तो हम पहले से ही जानते हैं कि उनके पास दोनों समुदायों के लिए एक संदेश है। और भाषा अतिशयोक्तिपूर्ण है। प्रभु अपने पवित्र मंदिर से आ रहे हैं, शायद यहाँ उनके स्वर्गीय मंदिर से, अपने स्थान से बाहर आ रहे हैं, नीचे आ रहे हैं और पृथ्वी के ऊँचे स्थानों पर कदम रख रहे हैं।

शायद इसमें उत्तरी राज्य के कुख्यात ऊँचे स्थान शामिल हैं, न कि केवल पहाड़ों पर आना। और पृथ्वी के स्थानों पर पैर रखना। और पहाड़ उसके लिए पिघल जाएँगे, और घाटियाँ आग के सामने मोम की तरह फट जाएँगी, जैसे पानी एक खड़ी जगह से नीचे डाला जाता है।

यह हबक्कूक के तीसरे अध्याय में ईश्वरीय दर्शन की याद दिलाता है, जिस पर हमने गौर किया था। जहाँ परमेश्वर, न्याय के इस कार्य में, नीचे आता है, और वह अपने लोगों के पापों और अपराधों को देखता है। याकूब का अपराध क्या है? क्या यह सामरिया नहीं है, जो अपनी मूर्तिपूजा के लिए प्रसिद्ध है, जिसके बारे में हमने बात की थी, विशेष रूप से होशे में?

यह प्रकृति की पूजा है, यह बालवाद है। और क्या यह यरूशलेम भी नहीं है? दोनों राजधानी शहर हैं। उत्तर की राजधानी, दक्षिण की राजधानी।

और वह क्या भविष्यवाणी कर रहा है? मैं खुले देश में सामरिया को ढेर बना दूँगा। वह यहाँ 721 की भविष्यवाणी कर रहा है। अभी तक ऐसा नहीं हुआ है।

छंद 6 में एक महान पुरातात्विक वाक्यांश पाया जाता है। मैं उसके मलबे या पत्थरों को घाटी में डाल दूँगा। यह एक तरह से पुरातात्विक चित्र है कि क्या होता है। आप एक प्राकृतिक टीले या पहाड़ी पर निर्माण करते हैं।

बाइबल में इसे TEL या TELL कहा जाता है, जैसे कि तेल अवीव में। जिसका मतलब है अनाज का ढेर। लेकिन TELL का मतलब है टीला।

एक प्राकृतिक क्षेत्र आमतौर पर वह होता है जहाँ आप, एक परतदार केक प्रभाव की तरह, लगातार ऊँचा निर्माण करते रहते हैं। कुछ TELL बहुत, बहुत ऊँचे हैं जहाँ जीसस क्राइस्ट सुपरस्टार को फिल्माया गया था।

बेत शीआन। यह 90 फीट ऊँचा है। और जब कोई आक्रमणकारी आता था, तो आप दीवारों और इमारतों को गिरा देते थे।

और वह मलबा घाटी में बह जाएगा। तो यह तस्वीर यहाँ है। इसमें छवियों के टुकड़े-टुकड़े होने की बात कही गई है।

यह पवित्र वेश्यावृत्ति की ओर इशारा करता है। और उसके द्वारा अर्जित धन को आग में जला दिया जाएगा। और मैं उसकी मूर्तियों को नष्ट कर दूँगा।

क्योंकि उसने वेश्या के वेतन से उन्हें इकट्ठा किया था। और वेश्या के वेतन पर, वे फिर से लौट आएंगे। विशेष रूप से वे शब्द हमें होशे की उत्तरी राज्य की आलोचना की याद दिलाते हैं।

अध्याय 1 के शेष भाग, श्लोक 8 से 16, शेफेला, दक्षिणी राज्य पर असीरियन सेनाओं के आक्रमण की तस्वीर है। और आपको याद होगा कि उत्तरी राज्य के पतन के केवल 20 वर्ष बाद, 721 में, 701 में, असीरियन आक्रमण के बारे में कौन चिंतित था? राजा हिजकिय्याह, जो अपनी जल आपूर्ति की जाँच कर रहा था। क्योंकि दक्षिणी राज्य के सफ़ाए में पहले ही 46 शहर गिर चुके थे।

और अब वह यरूशलेम की ओर बढ़ रहा है, उत्तरी राज्य के पतन के ठीक 20 साल बाद। 721, 701, हिजकिय्याह के यरूशलेम आने का समय। तो, अध्याय 1 के अंतिम भाग में यह वर्णन, जो दक्षिणी राज्य में आने वाली अशूर की सेनाओं की तस्वीर से कहीं अधिक है, लेकिन यहाँ की भाषा असाधारण है।

दरअसल, यहाँ जो लिखा है वह पूरे पुराने नियम में सबसे लंबा वाक्य-विन्यास है। यहाँ शब्दों का खेल चल रहा है। प्राचीन इज़राइल में, सबसे बुद्धिमान व्यक्ति सबसे अधिक वाक्य-विन्यास करने वाला होता था।

और शब्दों के साथ खेलने में सक्षम होना, जो कि आप निश्चित रूप से बाइबल के शुरुआती अध्यायों में ही देख सकते हैं। परमेश्वर ने आदम को आदम से बनाया। और यहाँ, वह शेफेला क्षेत्र में कई स्थानों या शहरों का उल्लेख करता है, जहाँ से मीका है।

और फिर वह अपना व्यंग्य करता है। उदाहरण, श्लोक 10. इसे गत में मत कहो।

सचमुच, हिब्रू में है, इसे शहर में मत बताओ। शहर बताओ। इसे गत में मत बताओ।

बेथ-ले-अफ्रा में, धूल में लोट लो। शाब्दिक रूप से, धूल के घर में, धूल में लोट लो। इसलिए, वह इनमें से कई वाक्यों का इस्तेमाल करता है।

इतनी धूल क्यों है? यह सिर्फ एक व्यंग्य नहीं है। यह शोक का संकेत है। आपने इसे योना में देखा था।

अब आप इसे फिर से देख सकते हैं। ऐश बुधवार को राख का उपयोग करने का विचार कहाँ से आया? यह इस तरह की सामग्री, योना की पुस्तक, धूल से जुड़ा है। यह गहन शोक का संकेत है।

अय्यूब के दोस्त कहाँ बैठे हैं? वे धूल में बैठे हैं। या वे खुद को धूल से ढक लेते हैं। यह शोक का संकेत है।

तो, यहाँ, वहाँ एक तस्वीर है। दक्षिणी राज्य। सावधान, और असीरियन रथ आ रहा है।

घोड़ों के शहर के निवासी ।

इसलिए, वह अध्याय 1 को खुद को गंजा करने और अपने बाल कटवाने के बारे में बात करके समाप्त करता है। यह गहन शोक का प्रतीक है। दरअसल, वह यहाँ पद 16 में स्त्रीलिंग का उपयोग करता है।

स्त्रीलिंग। अपने आप को गंजा बनाओ। महिलाओं, जिनके बाल उनके मुकुट और शान थे, जैसा कि नए नियम में विशेष रूप से उस पर प्रतिबिंबित किया गया है, उन्हें गंजा होना चाहिए।

यह बहुत ही अतिवादी है। एज्रा 5वीं सदी में चल रहे सभी अंतर्जातीय विवाहों से चिंतित है। वह क्या कर रहा है? एज्रा की पुस्तक पढ़ें।

वह अपनी दाढ़ी नोच लेता है। वह अपने बाल नोच लेता है। और अपने बालों से छुटकारा पाने का यह संकेत फिर से त्रासदी का सामना करने के लिए है।

क्या त्रासदी है? आप चील की तरह गंजे हो जाएँगे, श्लोक 16 कहता है, क्योंकि निर्वासन आ रहा है। दूसरे अध्याय में, वह यहूदी समुदाय, विशेष रूप से यिडिश-भाषी यहूदियों में संभवतः सबसे सर्वव्यापी अपशब्द से शुरू होता है। ओह! ओह! यह दुख से शुरू होता है।

हिब्रू बाइबिल में सबसे शक्तिशाली अपशब्द। ओय वे, आपने सुना है। वे, वेह, जर्मन में दर्द के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

इसलिए, जब आप कहते हैं, ओय, वे, तो इसका शाब्दिक अर्थ है, ओह दर्द। ओह दर्द। तो यह, ओय उन लोगों के लिए है जो दुष्टता की योजना बनाते हैं और अपने बिस्तर पर बुरे काम करते हैं।

वे खेतों का लालच करके उन पर कब्ज़ा कर लेते हैं, वे उन घरों को हड़प लेते हैं जो उनके अपने नहीं होते। यहाँ हम गरीबों के उत्पीड़न के विषय पर वापस आते हैं। वे एक आदमी को उसके घर में और एक आदमी को उसकी विरासत में प्रताड़ित करते हैं।

अब जब हम दूसरे अध्याय पर आते हैं, दूसरे अध्याय के अंत में, वह भविष्यवक्ता के प्रचार को रोकने के इस प्रयास के बारे में बात करता है। प्रचार मत करो। लेकिन वचन वापस आता है, क्या प्रभु की आत्मा अधीर है? क्या मेरे शब्द उस व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं करते जो धर्म से चलता है? मीका अपने भविष्यसूचक विश्लेषण को जारी रखेगा।

और इसलिए सामाजिक न्याय उनके संदेश का एक अहम हिस्सा है। और जब हम नेतृत्व को दिए गए दूसरे मुख्य भाग में जाते हैं, अध्याय तीन से पाँच तक, तो वह शासकों और न्यायपूर्ण होने में उनकी अक्षमता के बारे में बात करना शुरू करते हैं। वह 3.1 में मिशपत के बारे में बात करते हैं। गरीबों पर अत्याचार करने वाले लोगों के बारे में ईश्वर के दृष्टिकोण से बाइबिल में सबसे शक्तिशाली रूपकों में से एक।

श्लोक दो और तीन में उन नेताओं की आलोचना की गई है जो गरीबों के साथ नरभक्षियों जैसा व्यवहार करते हैं। नरभक्षियों की तरह, जिंदा लोगों की खाल उतारना। ठीक वैसे ही जैसे नरभक्षी किसी शिकार को पकड़कर उसे टुकड़े-टुकड़े कर देता है।

अब भाषा अतिशयोक्तिपूर्ण है। यह अतिशयोक्ति है। लेकिन तुम जो मेरे लोगों की खाल और उनकी हड्डियों से मांस नोचते हो और मेरे लोगों का मांस खाते हो और उनकी खाल नोचते हो और उनकी हड्डियों को टुकड़ों में तोड़ते हो और उन्हें केतली में मांस की तरह, कड़ाही में मांस की तरह काटते हो।

ये बहुत ही शक्तिशाली शब्द हैं। गरीबों का विनाश। वह तीसरे अध्याय में आगे बढ़ता है और झूठे भविष्यद्वक्ताओं के बारे में बात करता है जो लोगों को गुमराह कर रहे हैं, उनके लिए अंधकार ला रहे हैं।

इसके विपरीत, भविष्यवाणी साहित्य में आपके पास सबसे अच्छे छंदों में से एक है, एक भविष्यवक्ता क्या है और एक भविष्यवक्ता कैसे कार्य करता है? 3.8 में ध्यान दें, मीका कहता है, जहाँ तक मेरा सवाल है, मैं शक्ति से भरा हुआ हूँ, शास्त्र में भविष्यवाणी की प्रेरणा का स्रोत हूँ। ये प्रतिभाशाली लोग नहीं थे जिनके पास सही सेमिनरी शिक्षा थी और जो अपनी पीढ़ी के लिए आध्यात्मिक विश्लेषण का उपयोग करने की क्षमता रखते थे। यह एक जन्मजात उपहार नहीं था।

जहाँ तक मेरी बात है, मैं बड़े अक्षर S, रूआच एडोनाई, प्रभु की आत्मा से भरा हुआ हूँ। मैं न्याय और शक्ति से भरा हुआ हूँ ताकि याकूब को उसके अपराध और इस्राएल को उसके पाप बता सकूँ। दूसरे शब्दों में, सच्चा भविष्यवक्ता वही बोलता है जो लोगों को जानना चाहिए।

और उस संदेश का स्रोत जीवित परमेश्वर है। वह अपने समय के नेताओं की रिश्त के लिए आलोचना करता है। वे रिश्त ले रहे थे, श्लोक 11।

और जब आप पैसे ले रहे हों तो आप मिशपत, न्याय नहीं कर सकते। यहाँ तक कि हम्मुराबी के कानून संहिता, 1700 ई.पू., जो उससे एक सहस्राब्दी से भी पहले का है, में भी बहुत सावधानी से निर्देश दिए गए थे। यदि आप एक नाविक हैं जो एक नाव चलाता है और एक न्यायाधीश आपकी नाव में बैठने के लिए आता है क्योंकि आप उसे फ़रात नदी के पार ले जा रहे हैं या फ़रात नदी के किनारे मौजूद कई नहरों में से किसी एक में उसे ले जा रहे हैं, तो आप न्यायाधीश को अपना हाथ देकर उसे जाँचने के लिए भी नहीं कह सकते क्योंकि वह आपकी नाव में चढ़ रहा है।

इसे रिश्त माना जाता था। सत्ता में बैठे लोगों को प्रभावित करने का एक लंबा इतिहास रहा है। आधुनिक दुनिया में भी यह मौजूद है।

3:12 बाइबल में पहला स्थान है जो 586 की घोषणा करता है और बताता है कि क्या होने वाला है। तुम्हारे कारण, सिथ्योन को खेत की तरह जोता जाएगा, यरूशलेम खंडहरों का ढेर बन जाएगा, और घर का पहाड़ जंगल की ऊँचाई बन जाएगा। फिर से, दक्षिणी राज्य के इस भविष्यवक्ता द्वारा दी गई यरूशलेम के विनाश की भाषा काव्यात्मक है, 5.86। चौथे अध्याय में, हमारे पास यह अद्भुत अंश है जो अपने लोगों और इस धरती पर परमेश्वर की अंतिम योजना के बारे में बात करता है जब सिथ्योन सबसे ऊँचा पर्वत बन जाता है।

मैं बाद में इस पर वापस आऊंगा जब हम यशायाह 2 में इस अंश के बारे में बात करेंगे, लेकिन सबसे ऊँचा पर्वत होना प्राचीन निकट पूर्व में कहने का एक तरीका था, यह यूनानियों के लिए माउंट ओलिंपस था, यह कनानियों के लिए माउंट सैफ़्रॉन था, यह आधुनिक इराक में एक जिगगुराट का शीर्ष था क्योंकि हम अभी भी इन ऊँचे सीढ़ीदार स्थानों को देख सकते हैं जहाँ शीर्ष पर एक देवता उपासक से जुड़ा हुआ है। यह इनमें से किसी भी स्थान पर पहाड़ पर नहीं होगा, लेकिन यरूशलेम, जो आध्यात्मिक राजधानी का प्रतिनिधित्व करता है, अगर आप चाहें, तो घर, इज़राइल के भगवान का निवास स्थान। यह सबसे ऊँचा होगा, और जब यह कहा जाता है कि यह अन्य सभी पहाड़ियों से ऊपर उठा हुआ है, तो यह बाद के दिनों में प्रकट धर्म की विजय के बारे में बात करता है।

प्रभु का घर, इस्राएल का परमेश्वर, उसका घर पहाड़ों में सबसे ऊँचा होगा, आध्यात्मिक उत्कर्ष होगा, और अन्य सभी पहाड़ियों से ऊँचा होगा। इस अंश का जो भी संबंध है, जो इस धरती पर परमेश्वर के राज्य के आगे के कार्यकलापों से संबंधित है, वह कहता है कि यह एक ऐसा दिन है जब यहूदी और गैर-यहूदी दोनों परमेश्वर के शासन और शासन के अधीन आने वाले हैं। वह कहता है कि बहुत सी जातियाँ आएंगी और कहेंगी, आओ, हम यहोवा के पर्वत पर चढ़ें, याकूब के परमेश्वर के घर में, कि वह हमें अपने मार्ग सिखाए।

इसलिए, यह परमेश्वर के राज्य में यहूदियों और अन्यजातियों की आशा करता है। यह एक मसीहाई मार्ग है। साथ ही आप ध्यान दें कि यह इस तथ्य के बारे में बात करता है कि वह राष्ट्रों के बीच न्याय करेगा, और वह शांति लाएगा जैसे तलवारें कृषि उपकरणों में बदल जाती हैं।

यह स्थायी शांति का समय होगा क्योंकि राष्ट्र अब युद्ध नहीं सीखेगा। जैसा कि हम सभी नए नियम की भाषा से जानते हैं, उस युग का उद्घाटन हो चुका है, लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। और इसलिए, यहाँ मीका की भाषा, मसीहा का युग, इसकी पूर्ति की प्रारंभिक शुरुआत, लेकिन निश्चित रूप से, जहाँ यहाँ सार्वभौमिक शांति, दूर-दूर तक फैले राष्ट्रों और सच्ची आध्यात्मिकता पर आधारित शांति, हमेशा-हमेशा के लिए इस्राएल के प्रभु परमेश्वर के नाम पर चलने की बात की गई है, श्लोक 5, वह सटीक समय अभी आना बाकी है।

दुनिया की समस्याओं के लिए राजनीतिक या सैन्य या मानवतावादी या समाजशास्त्रीय समाधान केवल अस्थायी हैं, क्योंकि संधियाँ, यहाँ तक कि शांति संधियाँ भी, केवल तोड़ने के लिए ही बनाई जाती हैं। मानवता के इतिहास का अध्ययन करें। तो, यह शांति की एक तस्वीर देता है, और उनके सह- भविष्यवक्ता यशायाह मसीहा के तहत एक समान तस्वीर देते हैं जब शांति के राजकुमार, सार शालोम अंततः उस दृष्टि को पृथ्वी पर लाते हैं।

अध्याय 5 में, हमें मसीहाई राजा के बारे में कुछ जानकारी मिलती है, और निश्चित रूप से, 5:2 को मैथ्यू के सुसमाचार में उद्धृत किया गया है, और हे बेतलेहेम एप्राता, जो यहूदा के कुलों में छोटा है, तुझ में से एक निकलेगा जो इस्राएल में शासक होगा, जिसका उद्गम प्राचीन काल से है। और मसीह के जन्म से संबंधित इस अंश में, मैथ्यू 2:5 और 6 में, इसे यरूशलेम में आने वाले ज्योतिषियों द्वारा उद्धृत किया गया है। मसीहा का कार्य क्या है? वह डेविड की तरह होने वाला है।

दाऊद एक महान चरवाहा था। 5.4 में, वह प्रभु की शक्ति में, प्रभु अपने परमेश्वर के नाम की महिमा में अपने झुंड को चराएगा, और वे अभी के लिए सुरक्षित रूप से निवास करेंगे। वह पृथ्वी के छोर तक महान होगा।

वह अपने झुंड को खिलाएगा। वह भाषा हैंडेल के मसीहा में है, जो कि यशायाह की भविष्यवाणी पर दृढ़ता से आधारित है, और आप मीका में भी इसकी प्रतिध्वनि देख सकते हैं। जब मसीहाई युग पूरी तरह से आएगा, तो अध्याय 5 का अंत इंगित करता है, उस दिन, श्लोक 10, समाज में सभी नकारात्मक चीजें जो परमेश्वर के शासन को पूरी तरह से साकार होने से रोकती हैं, उन्हें काट दिया जाएगा।

तुम्हारे घोड़े, तुम्हारे रथ, जादू-टोना, भविष्यवक्ता, श्लोक 13, मूर्तिपूजक प्रतिमाएँ, खंभे जिनके आगे लोग झुकते हैं। मैं तुम्हारे बीच से अशेरीम को जड़ से उखाड़ फेंकूँगा। उत्तरी राज्य, इन लकड़ी के खंभों को याद रखो, जो बाल पंथ का हिस्सा थे।

ये नष्ट हो जाएंगे। भविष्यवाणी का अंतिम भाग इस मुकदमे का विषय है, और यशायाह रिब के बारे में बात करता है। अब, यदि आप हिब्रू बाइबिल में इस शब्द रिब का अध्ययन करते हैं, तो आप पाएंगे कि इस शब्द का अर्थ मामला, आरोप है।

यह वास्तव में एक वाचा मुकदमा है जहाँ यह कहा गया है कि प्रभु का अपने लोगों के साथ एक पसली है 6:2 में। मीका, यहाँ भविष्यवक्ता, यहोवा के लिए अभियोक्ता वकील है। यह पहाड़ियों, पहाड़ों को संबोधित है, जिनके बारे में मैंने पहले इस व्याख्यान में सुझाव दिया था कि वे परमेश्वर के स्थायी और अपरिवर्तनीय न्याय के प्रतीक हैं। और जब ये पहाड़ियाँ और पहाड़ अदालत और न्यायाधीशों की तरह मामले को सुनने के लिए बैठते हैं, तो परमेश्वर का अपने लोगों के साथ विवाद होता है, वह विवाद में प्रवेश करने जा रहा है।

शिकायत या पसलियाँ क्या हैं? श्लोक 1-5. परमेश्वर यहाँ भविष्यद्वक्ता के माध्यम से बोलता है, और मूल रूप से, वह यहूदा के विरुद्ध अपनी पिछली दयाओं के आधार पर अपना मामला बनाता है। मैंने तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार नहीं किया।

वास्तव में, बिल्कुल इसके विपरीत। प्रभु की दया को देखें। मैं कल अपनी एक कक्षा में कह रहा था कि हिब्रू बाइबिल में सबसे अच्छी आयत जो हमें ईसाईयों के रूप में प्रभु की सेवा करने के लिए बताती है, वह वास्तव में 1 शमूएल 12 में पाई जाती है, जहाँ 1 शमूएल शमूएल की अंतिम इच्छा और वसीयतनामा देता है।

वह कहता है कि तुम्हें प्रभु की सेवा करनी चाहिए क्योंकि तुम सोचते हो कि उसने तुम्हारे लिए क्या महान कार्य किए हैं। इसलिए तुम उसकी सेवा निष्ठापूर्वक करते हो। और पीढ़ी दर पीढ़ी, हम हमेशा पीछे देखते हैं ताकि हम आत्मविश्वास के साथ आगे देख सकें क्योंकि हमारा परमेश्वर एक दयालु परमेश्वर है।

वह एक दयालु ईश्वर है। या, जैसा कि हम बुधवार की रात मनाएंगे, वह एक ऐसा ईश्वर है जो चमत्कारों और चमत्कारी हस्तक्षेपों के बीच, लोगों को मिस्र से बाहर निकालता है। और इसलिए, वह उन्हें मिस्र वापस लाता है।

मैंने तुम्हें कैसे निराश किया है? मैंने तुम्हें कैसे निराश किया है या थका दिया है? वास्तव में, इसके विपरीत, मैंने तुम्हें निराश नहीं किया है। मैंने तुम्हें बड़ा किया है। और यहाँ हिब्रू में एक अद्भुत वाक्य है जिसे मैं आपको बताने में समय नहीं लगाऊँगा।

लेकिन इस्राएल को मिस्र की भूमि से बाहर लाना उन्हें नीचे गिराने के विपरीत था। मैंने तुम्हें दासता के घर से छुड़ाया। मैंने तुम्हें महान नेता दिए।

मैंने तुम्हें लेवी के गोत्र के तीन मुख्य लोगों के बारे में बताया, मोशे, हारून और मरियम। मरियम बहुत खास थी। यीशु की माँ का नाम उसके नाम पर रखा गया था।

हम उसे मरियम के नाम से जानते हैं। लेकिन पहली सदी में, वह मरियम थी। वह मूसा की बहन थी, जो सेवकाई उपहार का प्रयोग करने वाली पहली महिला थी।

और जिस मंदिर में हम फसह का पर्व मनाएंगे, उसका नाम उस महान संगीतमय कृति और नृत्य के नाम पर रखा गया है जो यम सुफ, रीड्स के सागर के पानी पर हुआ था। शिरत हयाम, समुद्र का गीत जिसके साथ मरियम जुड़ी हुई है। जब मोआब का राजा बालाक इस्राएल को परेशान कर रहा था, तब परमेश्वर ने इस्राएल से मुक्ति दिलाई।

और परमेश्वर ने उन्हें मोआब के इलाके से सुरक्षित निकाला। ये उसके बचाव के कार्य थे। परमेश्वर ने उन्हें आशीर्वाद दिया, जबकि उनके दुश्मन उन्हें शाप दे रहे थे।

और इसलिए, बिलाम ने शाप नहीं, आशीर्वाद कहा। इस पर इस्राएल का क्या जवाब है? श्लोक 6 से 8 तक। इस्राएल को परमेश्वर की उनसे क्या अपेक्षा थी, इस बारे में गलत धारणा थी। लोग सभी पूजा-पाठ, समारोह, गलतफहमी से गुज़रने में थक गए थे।

लोग पूछते हैं कि परमेश्वर को कैसे प्रसन्न किया जाए। आप परमेश्वर को अपनी पीठ से कैसे हटा सकते हैं ताकि वह आपके प्रति दयालु व्यवहार करे? आप उसे कौन सी हड्डी दे सकते हैं जिससे वह आपके प्रति अपने व्यक्तिगत क्रोध को शांत कर सके? और इसलिए, यहाँ, इस्राएल बोलता है, आइए हम इस बलिदान प्रणाली में जो कुछ भी कर रहे हैं उसे बढ़ाएँ यही ऐसा करने का तरीका है। और इसलिए, पाँच प्रश्नों की प्रगति पर ध्यान दें।

हर एक बड़ा है। वह यहाँ एक तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है कि मैं प्रभु के सामने क्या आऊँ? होमबलि के बारे में क्या? एक साल का बछड़ा कैसा रहेगा? हज़ारों मेढ़े कैसे रहेंगे? जैतून के तेल की दस हज़ार नदियाँ कैसे रहेंगी? और फिर वह चरमोत्कर्ष पर पहुँचता है : अगर मैं अपनी आत्मा के पापों के लिए अपने गर्भ का फल दे दूँ तो कैसा रहेगा? मेरा जेठा।

यह कनानी धर्म था। और फिर हम अंत में आते हैं, और आज यह हिब्रू बाइबिल के नैतिक जॉन 3.16, मीका 6.8 पर होगा। वह औपचारिक अनुष्ठान को बढ़ाने और तीव्र करने का सुझाव देता है, लेकिन एक विशिष्ट भविष्यवाणी शैली में। भविष्यवक्ता पुरोहिती, अनुष्ठान और समारोह की तीव्रता के बजाय नैतिकता की बात करते हैं।

हे भले मनुष्य, उसने तुम्हें दिखाया कि अच्छा क्या है। और प्रभु तुमसे क्या चाहता है? वह मिशपत चाहता है। वह निष्पक्ष और न्यायपूर्ण व्यवहार चाहता है।

इस व्यवसाय के बारे में उसने अपनी भविष्यवाणी में पहले ही बता दिया है। वह हेसेड चाहता है। वह वफ़ादार प्यार चाहता है।

वह निरंतर प्रेम चाहता है। ऐसा प्रेम जो दूसरों के साथ दयालु, कृपालु और दयालु व्यवहार की ओर ले जाता है। और हिब्रू बाइबिल में अपेक्षाकृत दुर्लभ शब्दों में से एक यह अंतिम शब्द है।

वह ज़ेनियट चाहता है। ज़ेनियट शब्द का अनुवाद करना मुश्किल है। इसका मतलब है किसी काम को नज़ाकत से, संवेदनशीलता के साथ करना।

अहंकार से नहीं, अहंकार से नहीं, आडम्बर से नहीं। आप ज़ेनियट के साथ , प्रभु के साथ चलते हैं। आप नम्रता से चलते हैं।

ज़ेनियट का प्रयोग आधुनिक इज़राइल में, हसिडिक समुदाय में किया जाता है। मैंने एक बार यरूशलेम के पुराने शहर में एक बैनर देखा था जिस पर लिखा था, टोरा इज़राइल की हर महिला को ज़ेनियट , शालीनता, कोमलता और सावधानी से कपड़े पहनने की सलाह देता है। और इसका यही मतलब है।

जब हम ईश्वर के साथ चलते हैं, तो हिब्रू बाइबिल में आध्यात्मिकता की यही कल्पना की गई है, ईश्वर के साथ उस विनम्र श्रवण तरीके से चलना। सुनना, अपने आस-पास के लोगों के प्रति संवेदनशील होना और ईश्वर की ओर निर्देशित हृदय। ठीक है, ये तीन बातें हैं जिन पर मीका जोर देते हैं और ये हिब्रू धर्म की तीन सबसे महत्वपूर्ण मुख्य शिक्षाएँ बन जाती हैं।

न्याय, प्रेम-कृपा, निष्ठावान प्रेम, हेसेड। और अंत में, ब्रह्मांड के राजा के सामने नैतिक विनम्रता और संवेदनशीलता और विनम्रता के साथ ईश्वर के सामने चलना। ठीक है, आज के लिए बस इतना ही।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह मीका की पुस्तक पर सत्र 22 है।